SPECIAL MENTIONS

Bhopal Gas Tragedy

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): आदरणीय सभापति जी आज भोपाल गैस त्रासदी कि सत्रहवीं बरसी है। 2/3 दिसम्बर, 1984 को भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड से विषैली गैस रिसने से हजारों लोग चिरनिद्रा में सो गए और लाखों लोग प्रभावित हुए। यहां तक कि इस विषैली गैस के बाद का असर आज तक भोपालवासियों को भुगतना पड़ रहा है। भोपालवासियों को गैस त्रासदी के समय से आज तक शारीरिक, मानसिक बीमारियों ने अपने शिकंजे में कस रखा है। यहां तक कि कुछ बच्चे तक विकृत अवस्था में जन्म ले रहे हैं। सभी राजनीतिक दलों, समाज सेवियों ने एकमत से, राजनैतिक पार्टियों से ऊपर उठकर आवश्यकता महसूस कि है की भोपाल गैस पीड़ितो कि चिकित्सीय देखभाल की सख्त जरूरत हैं व उनके राहत वे पुनर्वास की व्यवस्था करना जरूरी है। जो लोग रोजी रोटी से वंचित हो गए हैं उनके लिए व्यवहारिक स्तर पर कुछ करने की सख्त जरूरत हैं।

मध्यप्रदेश शासन ने इन सब बातों को दृष्टिगत रखते हुए कुछ प्रस्ताव व सिफारिशें केन्द्र शासन के पास भेजी है, जिन्हें मानवीयता के आधार पर अविलंब मान्य करना आवश्यक हैं जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

1. यूनियन कार्बाइड से प्राप्त मुआवजा राशि में से भारत सरकार के पास जो राशि उपलब्ध है वह गैस पीड़ितों के लिए चलाई जा रही योजनाओं हेतु शीघ्र जारी की जाए।
2. मध्य प्रदेश शासन द्वारा भोपाल गैस पीड़ितों हेतु द्वितीय कार्य योजना (सैकिण्ड ऐक्शन प्लान) के मद में जो 316 करोड़ की राशि चाही गई है वह प्रदान की जाए।
3. पहली कार्य योजना के शेष कार्यों को पूरा करने हेतु जो अतिरिक्त 32 करोड़ राशि की मांग मध्य प्रदेश शासन द्वारा की गई है, प्रदान करें।
4. भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जैव विज्ञान संस्थान की स्थापना हेतु 200 करोड़ रूपये के मध्य प्रदेश शासन के प्रस्ताव को स्वीकृत किया जाए।
5. भोपाल के यूनियन कार्बाइड परिसर में भोपाल गैस त्रासदी स्मारक निर्मित हो। साथ ही यूनियन कार्बाइड परिसर में रखे हुए अवशिष्ट पदार्थों के विनष्टीकरण हेतु तत्काल कदम उठाए जाएं।
6. गैस पीड़ितों को पहचान-पत्र प्रदान कर उन्हें मेंट्रो एरिया नेटवर्क के माध्यम से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
7. केन्द्र सरकार यूनियन कार्बाइड के वारेन एंडरसन व घटना के जिए जिम्मेदार अधिकारियों का अमेरिका से प्रत्यावर्तन करने के लिए तत्काल कदम उठाए व कानूनी कार्रवाई करे।

मान्यवर, आज भोपाल गैस त्रासदी दिवस के अलावा विश्व विकलांग दिवस भी है। अनेकों लोग भोपाल में इस गैस त्रासदी से विकलांग हो गए हैं। इसलिए आग्रह है कि कृपया

केन्द्र सरकार को निर्देशित करें कि इस भोपाल गैस प्रभावितों के दुख व मर्म को गंभीरता से लिया जाये व समय रहते भोपाल गैस प्रभावितों के लिए चल रहे राहत और पुनर्वास कार्यक्रमों की समीक्षा की जाए व समुचिम कदम उठाए जाएं ताकि भोपाल से दुखदायी व निराशाजनक खबरें न आएं।

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal) : Sir, I associate myself with the views expressed by my friend, Mr. Pachouri and...

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान)**:** सभापति जी, मैं भी एसोसिएट करना चाहता हूं। भोपाल गैस पीड़ितों के लिए जो कुछ किया जाना चाहिए व पचौरी जी ने जो विषय उठाया है वह बहुत उचित है...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बोलने की जरूरत नही है।

SHRI P.K. MAHESHWARI (Madhya Pradesh) : I associate with the views expressed by my friend, Mr. Suresh Pachouri.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh) : Sir, on behalf of my party and on my own, I also associate with the observations of Shri Suresh Pachouri on Bhopal gas tragedy.

* **श्री संघ प्रिय गौतम** (उत्तरांचल) **:** पूरे सदन को संबद्ध करना चाहिए।

श्री सतीश प्रधान(महाराष्ट्र)**:** सभापति जी, शिवसेना की तरफ से मैं भी एसोसिएट करता हूं।

SHRI ABDUL GAIYUR QURESHI (Madhya Pradesh) : I also associate myself with the special mention on Bhopal gas tragedy raised by my colleague, Shri Suresh Pachouri.

Intrusion of Taliban soldiers into Jammu and Kashmir

श्री अनिल शर्मा(हिमाचल प्रदेश)**:** सभापति जी, तालिबानी सेना के लिए पाकिस्तान ने तो अपनी सीमाएं सील कर दी बताते हैं लेकिन कश्मीर की नियंत्रण रेखा की तरफ उन्हें धकेला जा रहा है। भारतीय सुरक्षा बलों को मिली खबर के अनुसार पचास से ज्यादा कट्टर लड़ाके कश्मीर घाटी में प्रवेश कर चुके हैं और वे जिन इलाके में छिप कर बैठ गए हैं वहां बर्फ के कारण पहुंचना मुश्किल है।

रक्षा मंत्रालय सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान घुसपैठ के लिए अधिकृत कश्मीर के